



उत्तराखण्ड UTTARAKHAND

11AA 853550

## निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961

प्र० २६

(नियम ४क देखिए)

१८—धर्मपुर निवार्चन क्षेत्र से

(निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

उत्तराखण्ड विधान सभा (सदन का नाम) के लिये निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथ —पत्र

मैं दिनेश अग्रवाल पुत्र स्व. श्री रतीराम अग्रवाल आयु ६२ वर्ष जो २२ ओगल मट्टा टर्नर रोड, देहरादून का निवासी हूँ और उपरोक्त निवार्चन में अभ्यर्थी हूँ सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूँ:-

मैं ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का अभियुक्त नहीं हूँ जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है।

आरोप तय नहीं बाकी विवरण दूसरे शपथ पत्र में दिया गया है।

B/T

(यदि अभिसाक्षी) ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का/कि अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगी :—

आरोप तय नहीं जिसका पूर्ण वितरण संलग्न शपथ में दिया गया है।

मामला /प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याएँ (1) अपराध संख्या 8/2007 (2) अपराध संख्या 210/2009

- (i) पुलिस थाना (1) कलेमेन्टाउन (2) नहरु कालोनी जिला देहरादून राज्य उत्तराखण्ड सम्बन्धित (अधिनियम) की धारा (धाराएँ) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) अभ्यर्थी आरोपित किया गया है (1) फौजदारी वाद संख्या 2548/2007 स्पेशल जे.एम. द्वितीय अन्तर्गत धारा 467,468,471,420,171बी,171सी,171 जी आई.पी.सी.की धारा 123रिपेंजेंटेशन आफ पीपलस एक्ट न्यायालय द्वारा अभी आरोप तय नहीं है।  
(2) मुकदमा अपराध संख्या 210/2009 थाना नेहरु कालोनी देहरादून केवल एफ.आई.आर.दर्ज की गई है इसके आगे की किसी भी कार्यवाही की जानकारी अभी तक शपथकर्ता को नहीं है अन्तर्गत धारा 147, 149,332,353, 336,504, आई.पी.सी.
- (iii) न्यायालय, जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विवेचना की गई— कोई जानकारी प्राप्त नहीं है।
- (iv) तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किया गया था/किये गए थे— कोई जानकारी प्राप्त नहीं है।
- (v) क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है/है फौजदारी वाद संख्या 2548/2007 में अग्रिम कार्यवाही मा. हाईकोर्ट द्वारा पारित आदेश दिनांक 28.11.2007 रिट पेटिशियन न. 885/2007 के द्वारा स्थगित है।

## 2. मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व 1951 (1951का 43) की

धारा 8 की उपधारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अन्तर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है/नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए कारावास से दंडादिष्ट किया गया है/नहीं किया गया है।

लागू नहीं

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तु करेगा):

- (i) मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याएँ – लागू नहीं
- (ii) न्यायालय, जिसने दंडित किया है.....मुक्त.....
- (iii) पुलिस थाना (थाने).....मुक्त.....जिला (जिले).....मुक्त.....राज्य.....मुक्त.....
- (iv) सम्बन्धित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएँ) और उस अपराध (उन अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिये अभ्यर्थी कभी आरोपित किया गया है.....मुक्त.....
- (v) तारीख (तारीखें) जिनको दंडादेश सुनाया गया था/सुनाए गए थे.....मुक्त.....
- (vi) क्या दंडादेश सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोका गया है/रोके गए है.....मुक्त.....

स्थान :— देहरादून

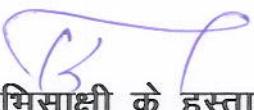
तारीख:— 11/01/2012

  
अभिसाक्षी के हस्ताक्षर

## सत्यापन

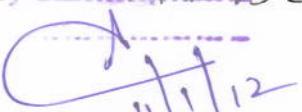
मैं, ऊपर नामित अभिसाक्षी, यह सत्यापित और घोषित करता / करती हूँ कि इस शपथ पत्र की अन्तर्वर्स्तु मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है और कोई तात्त्विक बात छिपायी नहीं गई है।

देहरादून स्थान पर आज तारीख 11.01.2012 को सत्यापित किया।

  
अभिसाक्षी के हस्ताक्षर



इस प्ररूप के वे स्तम्भ, जो अभिसाक्षी को लागू नहीं है, काट दिया जाए।

This affidavit is sworn before me by  
Shri ..... Dinesh D. Sonawal  
who is identified by Shri R. K. Verma  
at Dehradun on .....  
  
SUNIL KUMAR  
NOTARY & NOTARY Dehradun

